implementation of recommendations contained in the Sixth and Eighth Reports of the Department-related Parliamentary Standing Committee on Food, Consumer Affairs and Public Distribution.

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): श्रीमन्, नियम 187 के तहत...(व्यवधान)...

SHRI KUMAR DEEPAK DAS (Assam): Sir, I have given Notice. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Please, wait. ...*(Interruptions)*... This is not the way. ...*(Interruptions)*... Please wait. I have called him. ...*(Interruptions)*...

प्रो. राम गोपाल यादव: श्रीमन्, मैंने एक...(व्यवधान)...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: You please wait, Mr. Deepak Das. ...*(Interruptions)*...

SHRI KUMAR DEEPAK DAS: Sir, you cannot stop us...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: I have called Prof. Ram Gopal Yadav. ...*(Interruptions)*... Please.

SHRI KUMAR DEEPAK DAS: You cannot give permission for this. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Your notice is incomplete. ...*(Interruptions)*... It is insufficient. ...*(Interruptions)*... Please let him speak.

SHRI M. VENKAIAH NAIDU (Karnataka): Please allow him, Sir. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: He is raising a privilege motion. ...*(Interruption)*...

श्री एस.एस. अहलुवालिया (झारखंड): प्रिविलेज मोशन की बात है...(व्यवधान)... बैठिए ...(व्यवधान)...

QUESTION OF PRIVILEGE

Request for permission to raise privilege motion against Shri Om Puri and Shrimati Kiran Bedi

प्रो. राम गोपाल यादव (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैंने आपकी अनुमति से विशेषाधिकार हनन का एक नोटिस दिया है, मैं उसको रखना चाहता हूं...(व्यवधान)... श्रीमन्, 26.8.2011 को रामलीला मैदान में सिविल सोसायटी के मंच से फिल्मकार ओम पुरी द्वारा संसद सदस्यों के लिए 'अनपढ़, गंवार, नालायक एवं चोर' जैसे असंसदीय एवं अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया गया, जिसे स्टार न्यूज चैनल से सीधे प्रसारित किया गया। श्री ओम पुरी का यह कृत्य एंव स्टार न्यूज द्वारा इसका प्रसारण सदन की अवमानना है और संसद सदस्यों के विशेषाधिकार का हनन है। कृपया इसे संज्ञान में लेकर इस मामले को राज्य सभा की विशेषाधिकार समिति के सुपुर्द करने की कृपा करें। श्रीमन्, मैं एक मिनट में एक लाइन और कहना चाहता हूं...(**व्यवधान**)...

श्री राजपाल सिंह सैनी (उत्तर प्रदेश): एक मिनट में, ...(**व्यवधान**)... एक परमिशन...(**व्यवधान**)...

प्रो. राम गोपाल यादव: श्रीमन्, जहां तक बिना पढ़े-लिखे लोगों का सवाल है, तो इतिहास इस बात का गवाह है कि अकबर महान बिना पढ़े-लिखे थे, लेकिन अपने प्रबंध तंत्र के लिए ही उनको महान कहा गया। जिस व्यक्ति ने, इंग्लैण्ड के राजा ने, सिविल लिबर्टीज के लिए पहला चार्टर, मैग्नाकार्टा स्वीकृत किया, वह बिना पढ़ा-लिखा था। दुनिया का जो सबसे ज्यादा अमीर व्यक्ति बना, वह बिल गेट्स माइक्रोसॉफ्ट का मालिक स्कूल का ड्राप आउट था, धीरू भाई अंबानी एक पेट्रोल पंप के मामूली कर्मचारी थे, वे किसी कॉलेज में पढ़ने नहीं गए, लेकिन उन्होंने एक बहुत बड़ा साम्राज्य, एम्पायर खड़ा कर दिया। इस संसद में अस्सी फीसदी से ज्यादा लोग ग्रेजुएट हैं, पढ़े-लिखे हैं, ...(व्यवधान)... एक मिनट, जो बिना पढ़े-लिखे हैं, वे पढ़े-लिखों से भी ज्यादा काबिल हैं, उनका बहुत बड़ा योगदान है, इसलिए पूरे सदन को, उसकी गरिमा को एक तरह से erode करना खराब बात है। जो स्वयं बैठे थे, जिनके लिए ये लोग नारे लगा रहे थे, जिनकी टोपी लगाए हुए लोग घूम रहे थे, वे कितने पढ़े-लिखे हैं?...(**व्यवधान**)...

श्री विक्रम वर्मा (मध्य प्रदेश): सर, यह इस देश के बिना पढ़े-लिखे मतदाताओं का भी अपमान है।

प्रो. राम गोपाल यादव : यह पूरे देश के बिना पढ़े-लिखे लोगों का अपमान तो है ही, साथ ही सदन का भी अपमान है, इसलिए मेरा अनुरोध है कि आप इस मामले को प्रिविलेज कमेटी को भेजने की कृपा करें।

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री राम कृपाल यादव (बिहार): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री प्रभात झा (मध्य प्रदेश): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री एम. वेंकैया नायडु (कर्नाटक): उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The matter is under consideration of Mr. Chairman. ...*(Interruption)*... The matter is under consideration of Mr. Chairman. ठीक है...(व्यवधान)... Please sit down. श्री मोहम्मद अदीब।

श्री मोहम्मद अदीब (उत्तर प्रदेश): उपसभापति जी, मैं उसी मसले पर, जिस पर डॉ. राम गोपाल जी ने कहा है, उसमें दो बातें और जोड़ना चाहता हूं...(व्यवधान)...

श्री उपसभापति: आपने नोटिस दिया है, वह भी अंडर कंसीडरेशन है।...(व्यवधान)...

श्री मोहम्मद अदीब: जी। उपसभापति जी, मैं यह कहना चाहता हूं कि किरन बेदी, जो यहां की पुलिस ऑफीसर रही हैं, उन्होंने 26/25/24 तारीख को पार्लियामेंट और पार्लियामेंट के सांसदों को बुरा-भला कहा। कल एन.डी.टी.वी. पर प्रशांत भूषण, जो एक वकील हैं, उन्होंने यह कहा है कि संसद में घूस लेकर बिल पास किए जाते हैं। यह इस संसद पर एक बड़ा इल्जाम है। इसकी गवाही में, सांसद, हमारी एक साथी यहां मौजूद हैं, जिन्होंने कंडम भी किया, लेकिन उन्होंने कहा कि यहां जो भी बिल पास होता है, वह घूस लेकर पास किया जाता है। जिस तरह से किरन बेदी और अन्य लोगों ने सांसदों का मजाक उड़ाया है, संसद को इसको सीरियसली लेना चाहिए और बताना चाहिए। इसके लिए सख्त से सख्त कानून की जो सजा हो, वह होनी चाहिए और यह मामला प्रिविलेज कमेटी को भेजा जाए। मैं अपने साथियों से कहना चाहता हूं कि जिस तरह का मजाक किया गया है, उस संदर्भ में इसकी गरिमा को कायम रखा जाए।

† **جناب محمد ادیب (اتر پردیش)** : سبھا پتی جی، میں اسی مسئلے پر، جس کو ڈاکٹر رام گوپال جی نے کہا ہے، اس میں دو باتیں اور جوڑنا چاہتا ہوں ۔(مداخلت)۔

شری اپ سبھا پتی: آپ نے بھی نوٹس دیا ہے، وہ بھی under consideration ہے ۔(مداخلت)۔

جناب محمد ادیب : جی، اپ سبھا پتی جی، میں یہ کہنا چاہتا ہوں کہ کرن بیدی، جو یہاں کی پولیس آفیسر رہی ہیں، انہوں نے 26/25/24 تاریخ کو پارلیمینٹ اور پارلیمینٹ کے سنسدوں کو برا بھلا کہا۔ کل این۔ڈی۔ٹی۔وی۔ پر پرشانت بھوشن، جو ایک وکیل ہیں، انہوں نے یہ کہا کہ سنسد میں گھوس لے کر بل پاس کئے جاتے ہیں۔ یہ اس سنسد پر ایک بڑا الزام ہے۔ اس کی گواہی میں، سائنسد، ہماری ایک ساتھی یہاں موجود ہیں، جنہوں نے نے کنڈم بھی کیا، لیکن انہوں نے کہا کہ یہاں جو بل پاس ہوتا ہے، وہ گھوس لے کر پاس کیا جاتا ہے۔ جس طرح سے کرن بیدی نے سانسدوں کا مذاق اڑایا ہے، سنسد کو اس کو سیریسلی لینا چاہئے اور بتانا چاہئے اور اس کے لئے سخت سے سخت قانون کی جو سزا ہے، وہ ہونی چاہئے اور یہ معاملہ پریویلیج کمیٹی کو بھیجا جائے۔ میں اپنے ساتھیوں سے کہنا چاہتا ہوں کہ جس طرح کا مذاق کیا گیا ہے، اس سندربھہ میں اس کی گرما کو قائم رکھا جائے۔

(ختم شد)

श्री वी.पी. सिंह बदनौर (राजस्थान)**:** उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

श्री रघुनन्दन शर्मा (मध्य प्रदेश)**:** उपसभापति जी, मैं स्वयं को इससे संबद्ध करता हूं।

MR. DEPUTY CHAIRMAN: The sense of the House would be conveyed to Mr. Chairman.

श्री शिवानन्द तिवारी (बिहार)**:** उपसभापति जी, मैं एक मिनट में इशारा करना चाहता हूं प्रशांत भूषण हों, बाकी लोग हों, सब पढ़े-लिखे काबिल लोग हैं, लेकिन इन लोगों ने जिसको नेता माना और जिसको नेता मानकर एक आंदोलन खड़ा करने की कोशिश की, वह आदमी ट्रक ड्राइवर था, वह आदमी बहुत ही कम पढ़ा-लिखा था, जो यह साबित करता है और हमको ऐसा लगता है कि इस देश में जो पढ़े-लिखे लोग हैं, वे इस देश को उतना नहीं समझते हैं, जितना अनपढ़ लोग समझते हैं। यह उसी का नतीजा है कि सरकार में भी जो पढ़े-लिखे लोग हैं, उन लोगों ने प्रधान मंत्री को सलाह

†[ ]Transliteration in Urdu Script.

दी कि अन्ना हजारे को गिरफ्तार किया जाए...(**व्यवधान**)... और जो भ्रष्टाचार का मुद्दा है, वह समाज को...(व्यवधान)... उद्वेलित कर रहा है, जिसको एक अनपढ़ आदमी ने महसूस किया...(**व्यवधान**)... यह सही था, इसलिए हमने पढ़े-लिखे आदमी...(**व्यवधान**)...

श्री उपसभापति: ज़ीरो ऑवर...(**व्यवधान**)... तिवारी जी, देखिए, यह हो गया है...(**व्यवधान**)... This matter is over. ...*(Interruptions)*... See, I will tell you. You have given a notice. The notice was insufficient. There was no documentary evidence. So, it will be taken up tomorrow. ...*(Interruptions)*... It will be taken up tomorrow. ...*(Interruptions)*...

SHRI KUMAR DEEPAK DAS (Assam): Sir, it is a serious problem. The land of the State is indebted to Bangladesh... ...*(Interruptions)*... There is a secret discussion between the Central Government and the State Government. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: That is why you have not attached any documents or anything. You are just saying it. ...*(Interruptions)*...

SHRI KUMAR DEEPAK DAS: Sir, hon. Chief Minister has given a statement in Assam. ...*(Interruptions)*... Sir, this is a serious issue. ...*(Interruptions)*...

MR. DEPUTY CHAIRMAN: Okay; we will give it tomorrow. ...*(Interruptions)*... We will give it tomorrow. Now, we take up Zero Hour. Shri Rajniti Prasad.

____

MATTERS RAISED WITH PERMISSION

Resentment among the employees of Air India due to non-payment of their salaries

श्री राजनीति प्रसाद (बिहार): सर, मैं ज़ीरो ऑवर के माध्यम से सदन में एक महत्वपूर्ण विषय उठाना चाहता हूँ। एयर इंडिया के कर्मचारियों को कई महीनों तक तन्ख्वाह नहीं मिलती है। तन्ख्वाह नहीं मिलने के कारण जब वहाँ का कोई कर्मचारी या पायलट लोगों को यह बताता है कि आप लोग जो यात्रा करते हैं, हमें उसी से तन्ख्वाह मिलती है, तो उसके अधिकारी उसे suspend कर देते हैं। सर, मैं यह पूछना चाहता हूँ कि क्या किसी कर्मचारी को यह अधिकार नहीं है कि जो आदमी टिकट खरीद कर हवाई जहाज की यात्रा करते हैं, उनसे वह यह कहे कि हम लोगों को तन्ख्वाह नहीं मिलती है? क्या एयर इंडिया के अधिकारियों को उसे suspend करने का काम करना चाहिए? यह गलत काम किया गया है।

इसलिए मैं सदन और नागर विमानन मंत्री से यह माँग करता हूँ कि ऐसे suspension को जरूर वापस लिया जाए और एयर इंडिया के कर्मचारियों को नियमित तरीके से तन्ख्वाह देने का काम किया जाए।

Increasing attacks on women passengers in trains

DR. T.N. SEEMA (Kerala): Mr. Deputy Chairman, Sir, I would like to draw the attention of this august House to the serious issue of increasing cases of sexual harassment, molestation and rape being faced by women passengers while travelling in trains and in premises of railway